केस स्टडी

अमीना खातुन की जिन्दगी में कुँआ का पानी

टोला– **धोबी टोला**
गाँव– **रामनगर**
पंचायत– **श्यामपुर कोतराहा**
प्रखण्ड– **नौतन**
जिला– **प0 चम्पारण**

जीवन परिचयः–

अमीना खातुन की उम्र 60 वर्ष है। जो कोतराहा पंचायत के रामनगर धोबी टोला गाँव में रहती है। इनको पाँच लड़का तथा दो लड़की हैं। सबसे बड़ा लड़का का नाम अलिहसन अंसारी है। वह अपने तीन लड़का एवं दो लड़की की शादी कर चूकी है। एक गरीब परिवार में रहते हुए दोनो पति–पत्नि कपड़ा धोने का काम करते हैं और अपना जीवन बिताते है। उनके पास 10 कट्ठा जमीन है। उसी से पैदा होने वाले अनाज तथा आमदनी से परिवार का भरण–पोषण करती है। परिवार के सभी लड़के आपस में मिलकर खेती करते है तथा उसके पैदवार को आपस में बराबर–बराबर बाँट लेते है। गरीबी से सिकस्त छोटी सी आमदनी में ही परिवार के साथ खुष रहते है।

पेट कि बिमारी से निजात :–

अमीना खातून अपने जमाने में हाँथ से बनाया गया कच्चा कुँआ से पीने का पानी ला करके पीती थी। उस समय पक्के का कुँआ नहीं था। धीरे–धीरे पक्के का कुँआ बनने लगा। लोग स्वच्छ शुद्ध तथा स्थायी तौर पर कुँए का पानी पीने लगे। जब तक अमीना खातुन कुँआ का पानी पीती रही तब तक पेट से संबंधित कोई रोग एवं बिमारी नहीं हुआ था। हमेषा स्वस्थ्य एवं अच्छी रहती थी। 25–30 वर्ष पहले जब से गाँव में कुआँ बंद होने लगा और चापाकल का प्रचलन शुरू हुआ तब से पेट में गैस्टिक, पेट में दर्द, गैस के चलते सिर में दर्द, एवं चक्कर बना रहता था। जिसके इलाज में करीब 1200/– रू0 खर्च भी हो चुका था। लेकिन अभी तक पेट का दर्द कम नही हो रहा था। जब से अभियान के प्रयास से कुँआ को पुनः जीवित किया गया तब से अमीना खातुन इसी कुँए के पानी को पी रही है। अब पेट से संबंधित कोई बिमारी नही है। वह निरोग है।

कुआँ के पानी से जुड़ाव :–

श्यामपुर कोतराहा पंचायत के रामनगर धोबी टोला में दसई पासवान के दरवाजे पर एक कुआँ था। जो लगभग 25–30 वर्ष पहले बंद हो चुका था। जिसमें वहाँ के रहने वाले सभी बच्चे मिलकर उस कुँए में लकड़ी, ईटा, मिट्टी, बालू व कचरा डालकर भर दिये थे। अगल–बगल का चबुतरा भी तोड़ फोड़ दिये थे। सन् 2010 के मई माह में मेघ पाईन अभियान के साथियो द्वारा कुआँ को पुनः चालू करने के लिए चर्चा शुरू की गई। जिसमें गाँव तथा अभियान के सहयोग से कुआँ की मरम्मती एवं सफाई कार्य शुरू किया गया। 20 जून को कुआँ का महोत्सव मनाया गया और बच्चो को मिठाई खिलाया गया। उसी दिन से अमिना खातून प्रतिदिन सुबह खाली पेट एक लिटर पानी पीती है। अमीना खातुन के घर के नजदीक कुँआ रहने से वह हमेषा अपने घरों में पानी को ला करके रखती है। स्वयं पीती है तथा अपने परिवार के सभी लोगों को भी पीने के लिए प्रोत्साहित करती है। उनके घर में कुँए के पानी का खाना बनाने, बर्तन साफ करने, स्नान करने, मवेषियों को पीलाने तथा कपड़ा साफ करने आदि कार्यो में उपयोग किया जाता है। करीब अकेले अमीना खातुन के घर में प्रतिदिन 80 से 90 लिटर औसत पानी का उपयोग किया जाता है।

कुआँ के पानी से फायदा :–

अमीना खातून जब से कुआँ का पानी पीने लगी तब से उनके पेट में दर्द, गैस्टिक ठीक हो गया है। उनके पति भी बोलते है कि कुआँ का पानी पीने से भूख भी खुब लगता है। जब वह गाँव में भी जाती हैं तो लोगो को बताती हैं कि **"कुआँ का पानी दवा के समान है। मै और मेरे परिवार के लोग कुआँ का पानी पीने लगे तब से दवाई का कोई जरूरत नही पड़ता है।"**

गाँव के लोगो पर प्रभाव :–

आज धोबी टोला गाँव में अमीना खातुन एक जल योद्धा के तौर पर स्थापित है। उनके द्व ारा उस गाँव के अलावे भी दूसरे गाँव के लोगों को भी बताया जाता है कि कुँआ का पानी स्वस्थ्य शरीर के लिए बहुत ही जरूरी है। अमीना खातुन के प्रयास से आज गाँव के 31 परिवार उस कुँए से जुड़ गए है। करीब प्रतिदिन 2000 लिटर से अधिक कुँए से पानी की खपत है। लोग स्वस्थ्य एवं निरोग है। सभी लोग अमीना खातुन को उसके अच्छे काम के लिए सराहना करते है।